

डॉ. नॉट हेम, नीतिवचन, व्याख्यान 20, सक्षम महिला नीतिवचन 31

© 2024 नॉट हेम और टेड हिल्डेब्रांट

यह नीतिवचन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. नुट हेम हैं। यह सत्र संख्या 20 है, सक्षम स्लैश शक्तिशाली महिला। नीतिवचन अध्याय 31, श्लोक 10 से 31 तक।

व्याख्यान 20 में आपका स्वागत है, नीतिवचन की बाइबिल पुस्तक पर हमारी श्रृंखला का अंतिम व्याख्यान। अब हम पुस्तक के अध्याय 31 में श्लोक 10 से 31 को देख रहे हैं और हम इन श्लोकों का पता लगाएंगे। एक लगभग अलौकिक पत्नी, एक महिला के बारे में एक सुंदर कविता है, इस संदर्भ में कि क्या और कैसे यह श्लोक 1 से 9 तक जुड़ा है, जिसे हमने पिछले व्याख्यान में शामिल किया था, जो राजा लेमुएल की मां की शिक्षा थी, जिसके बारे में बात की गई थी उसे गलत प्रकार की महिलाओं से दूर रखना और क्या इस सुपरवुमन के बारे में यह कविता वास्तव में अध्याय के शुरुआती अनुक्रम से संबंधित हो सकती है या नहीं।

एक और चीज जिसे हम कम से कम संक्षेप में कवर करेंगे वह यह सवाल है कि नीतिवचन की पुस्तक में संग्रह के इस संग्रह के अंत में एक बुद्धिमान और बहादुर, शक्तिशाली, सक्षम सुपरवुमन के बारे में इतनी अद्भुत कविता क्यों होगी। तो, सबसे पहले, कविता ही, श्लोक 10 से 31, वास्तव में मूल हिब्रू भाषा में काफी असामान्य तरीके से व्यक्त की गई है क्योंकि इस कविता में 22 छंद क्रम से हिब्रू वर्णमाला के अक्षरों से शुरू होते हैं। तो श्लोक 10 अलेफ़ से शुरू होता है, वर्णमाला का पहला अक्षर, श्लोक 11 बेट से, वर्णमाला का दूसरा अक्षर, और इसी तरह, श्लोक 31 तक हम तफ़ तक नहीं पहुँचते, श्लोक की शुरुआत में, श्लोक का अंतिम अक्षर हिब्रू वर्णमाला।

इसलिए, यदि आप चाहें, तो हमारे पास एक सक्षम पत्नी या किसी प्रकार की सुपर पत्नी के एटू जेड हैं, और हम यह देखने जा रहे हैं कि वह एक पल में किस तरह से सुपर है। तो इसका मतलब यह है कि यह कविता, इस आश्चर्यजनक महिला की यह प्रशंसा, एक स्व-निहित काव्य इकाई है। यह अपने आप में एक कविता है।

और इसलिए, इसे पढ़ने वाले अधिकांश लोग वास्तव में इसे अध्याय के शुरुआती नौ छंदों से अलग करके पढ़ते हैं। और इसमें कुछ भी गलत नहीं है। यह किया जा सकता है और निश्चित रूप से यह कायम है।

यह एक स्वयंसिद्ध कविता है। हालाँकि, याद रखें कि हमने प्रश्न पूछा था कि नीतिवचन के अंत में ऐसा क्यों है? यह भी याद रखें कि हमने विभिन्न प्रकार के संपादकीय और मैक्रो-संपादकीय अभ्यासों को देखा है कि कैसे विभिन्न संग्रहों को एक साथ रखा गया था, किस क्रम में, और वे एक दूसरे के साथ कैसे बातचीत करते हैं। तो, यह संभव हो सकता है कि यहां भी जो दिखता है उससे कहीं अधिक है।

और दो विद्वान थे जिन्होंने सुझाव दिया है कि एक ओर श्लोक 1 से 9 और दूसरी ओर श्लोक 10 से 31 के बीच एक संबंध हो सकता है। विशेष रूप से एक विद्वान, मुझे लगता है कि वह लिचथीम ही थे, ने तर्क दिया या सुझाव दिया कि यदि रानी माँ श्लोक 1 से 9 में अपने बेटे को गलत प्रकार की महिलाओं के बारे में चेतावनी दे रही थी, तो यह कम से कम एक सुखद परिस्थिति प्रतीत होती है कि हम अब इस अंतिम कविता में एक उपयुक्त प्रकार की महिला के बारे में पढ़ें। मेरी अपनी पीएचडी छात्रा, रेवरेंड डॉ. जेनेट हार्टवेल ने नीतिवचन की पुस्तक में महिलाओं पर लिखा है।

और अपनी पीएचडी में, वह एक दिलचस्प सवाल उठाती है, कुछ ऐसा जिसके बारे में मेरी जानकारी में पहले किसी ने भी विचार नहीं किया है। और वह सवाल पूछ रही है कि क्या यह संभव है कि कविता और व्याख्यान के बीच और भी गहरा संबंध हो? और वह सुझाव दे रही है, बेशक, इसे साबित नहीं किया जा सकता है, लेकिन मुझे फिर से लगता है कि एक कल्पनाशील अध्ययन यह सुझाव दे सकता है। क्या यह संभव है कि आरंभिक प्रश्न, एक योग्य पत्नी, जिसे ढूंढा जा सकता है, जिसे कई लोग एक अलंकारिक प्रश्न मानते हैं जिसका उत्तर निहित है, कोई नहीं, वह नहीं मिल सकती है, लेकिन फिर शेष कविता इस बारे में क्यों चलती है यह अद्भुत महिला, जो स्पष्ट रूप से किसी पति को मिली है, क्योंकि उसे उसकी प्रशंसा करने और सार्वजनिक रूप से उसका आदर और सम्मान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

तो, डॉ. हार्टवेल सुझाव दे रहे हैं कि यह संभव है कि प्रश्न, एक सक्षम पत्नी, जो पा सकती है, शायद राजा लेमुएल की अपनी मां की डांट पर तीखी प्रतिक्रिया हो, जिसके बाद वह यह वर्णन करके जवाब देती है कि वह किस तरह की सक्षम महिला है के बारे में सोचना। और अगर ऐसा होता, तो वह अपने व्याख्यान को, अब काव्यात्मक रूप में, अपने बेटे को यह कहकर समाप्त कर रही होती, तुम्हें उसे वह सम्मान देना चाहिए जिसकी वह हकदार है। एक आकर्षक प्रस्ताव, जो मुझे लगता है कि वास्तव में विचार करने लायक है।

मैं कई वर्षों से मानता आया हूं कि ये दोनों जुड़े हुए हैं, क्योंकि जाहिर तौर पर इनका संबंध महिलाओं से है और महिलाओं को महत्व देने से है। और इसलिए मैं वास्तव में इस सुझाव को एक बहुत ही दिलचस्प, कल्पनाशील पढ़ने के रूप में मानूंगा जो संपूर्णता को समझ में लाता है और पूरी चीज़ में एक पूरी तरह से नया अर्थ और आयाम जोड़ता है। इतना कहने के बाद, अब मैं आगे बढ़ूंगा और पाठ में कुछ विवरण समझाऊंगा।

अब मैं जो कुछ भी कहता हूं वह इस बात पर निर्भर नहीं है कि श्लोक 10 से 31 हमारे द्वारा यहां सुझाए गए तरीके से जुड़े हैं या नहीं, क्योंकि कविता निश्चित रूप से बहुत अच्छी तरह से काम कर सकती है, और अपने दम पर काम करती है। सबसे पहले, मैं इस वाक्यांश के बारे में कुछ कहना चाहता हूं, एक सक्षम पत्नी जो ढूंढ सकती है, या जैसा कि एनआईवी अनुवाद कहता है, एक महान चरित्र वाली पत्नी जो ढूंढ सकती है। या अन्य अनुवादों में एक बहादुर महिला है, इत्यादि।

वास्तव में यह जानना काफी महत्वपूर्ण है कि यहां इस्तेमाल किया गया वाक्यांश, हिब्रू में एशेत हेइल, एक बहुत ही दुर्लभ संयोजन है, जो मेरी जानकारी के अनुसार, पूरी बाइबल में केवल तीन बार ही लगता है, और तीसरी बार मैंने ऐसा किया है। भूल गई। लेकिन दूसरी बार जहां यह प्रकट

होता है, उपाधि, यह स्पष्ट रूप से सम्मान की उपाधि है, एक विशेष महिला को सौंपी जाती है, अर्थात् रूथ की पुस्तक में रूथ को। और क्या यह भी दिलचस्प नहीं है कि रूथ, शायद यहाँ की इस महिला की तरह, एक गैर-इज़राइली है।

वह एक विदेशी है. और रूथ को एशेत हेयिल क्यों कहा जाता है? क्योंकि रूथ वह व्यक्ति है जिसने अपनी सास को फलने-फूलने में सक्षम बनाया है। उसका घर छोड़कर, उसकी देखभाल करके, और फिर अंततः उसके काम के माध्यम से उसे वित्तीय रूप से प्रदान करना, और फिर उसकी शादी के माध्यम से, वास्तव में नाओमी के लिए एक पोता प्राप्त करना।

तो, यह निश्चित रूप से पितृसत्तात्मक अपेक्षाओं का हिस्सा है कि एक अच्छी पत्नी, एक अच्छी महिला को क्या करना चाहिए। लेकिन फिर भी, रूथ को महान नायिकाओं में से एक माना जाता है, न केवल बाइबिल में बल्कि सदियों से इज़राइली परंपरा में भी। वह वास्तव में न केवल एक आदर्श पत्नी है, बल्कि एक बेटी भी है, और मैं कहूँगा कि वह अपने आप में एक आदर्श और अद्भुत पत्नी है।

तो, यह तथ्य कि यहाँ इस महिला को एशेत हेयिल कहा जाता है, बाइबिल में केवल एक अन्य महिला को ऐसा कहा गया है, वास्तव में महत्वपूर्ण है। यह वास्तव में सर्वोच्च कोटि की एक सम्मानजनक उपाधि है। दूसरी बात जो शायद कहने लायक है वह यह है कि एशेत हेइल का समकक्ष पुरुष गिबोर हेइल होगा।

और गिबोर चायिल एक योद्धा है, एक शक्तिशाली योद्धा जो दुश्मनों को हरा देता है। इसलिए, हमारे यहाँ इस शक्तिशाली महिला के लिए लगभग मार्शल शब्दावली लागू है, यही कारण है कि मैं वास्तव में एक शक्तिशाली महिला जैसे अनुवाद को प्राथमिकता देता हूँ, जो दूँड सकती है। और फिर प्रश्न के उत्तर में, शेष कविता वास्तव में प्रश्न का उत्तर नहीं देती है।

सवाल यह है कि इसे कौन दूँड सकता है? हमें नहीं बताया गया. हमें बताया जाता है कि एक सक्षम या शक्तिशाली महिला कैसी होती है। यदि इस बात का विचार अभी भी रानी मां और उसके बेटे के बीच बदलता रहता है, तो निहितार्थ यह हो सकता है कि मां अपने बेटे से कह रही है, देखो, तुम्हें एक खोजने की जरूरत नहीं है, तुम्हें एक मिल गया है, और वह यही है पसंद करना।

और बेहतर होगा कि आप उसका आदर करें और उसका आदर करें तथा उसके साथ वैसा ही व्यवहार करें जिसकी वह हकदार है। बहरहाल, आगे बढ़ते हुए, हमें जो मिलता है वह इस अद्भुत महिला का आश्चर्यजनक वर्णन है। हालाँकि, इसकी शुरुआत श्लोक 11 में उसके पति के लिए उसके महत्व से होती है।

अतः उसके पति का हृदय उस पर भरोसा रखता है और उसे लाभ की कोई कमी नहीं रहती। तो यह एक तरफ वैवाहिक और अन्य प्रकार की वफादारी और वित्तीय लाभ के बारे में है। और फिर अध्याय के अंत में, और पुस्तक, श्लोक 31 में कहती है, उसे उसके हाथों के फल में हिस्सा दो और उसके कार्यों की प्रशंसा शहर के फाटक में करो।

तो, यह न केवल वास्तव में महिला को वह देने के बारे में है जिसकी वह हकदार है और सार्वजनिक रूप से उसका सम्मान, आदर और प्रशंसा करना है। इसलिए हम जिस पितृसत्तात्मक संदर्भ से निपट रहे हैं, उसमें यह इस बात पर केंद्रित हो जाता है कि वह पुरुष के लिए क्या कर सकती है और पुरुष को उसके लिए क्या करना चाहिए। फिर हमारे पास उन चीजों का एक लंबा विवरण है जो वह करती है।

वह अपने जीवन के सभी दिनों में उसका भला करती है और उसे नुकसान नहीं पहुंचाती। यह अभी भी आदमी के साथ करना है। और मुझे आशा है कि यह हमें अध्याय 11, श्लोक 22 की याद दिलाता है।

बिना विवेक वाली एक खूबसूरत महिला जो अपने पुरुष को नुकसान पहुंचाएगी। ये वाला नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि हमें यह नहीं बताया जाता कि वह सुंदर है या नहीं।

हालाँकि हमें श्लोक 30 के अंत में बताया गया है कि आकर्षण धोखा है और सुंदरता व्यर्थ है, लेकिन जो महिला भगवान से डरती है वह प्रशंसा के योग्य है। इसका मतलब यह हो सकता है कि वह विशेष रूप से आकर्षक नहीं है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है। नीतिवचन 11, 22 के समान, जहां हमने इस तथ्य का पता लगाया है कि महिला सुंदर है, लेकिन उसका विवेक इसे अमूल्य बनाता है।

इसका मतलब यह नहीं है कि महिलाओं या पुरुषों में से किसी की सुंदरता को नापसंद किया जाना चाहिए या यहां के ज्ञान ग्रंथों द्वारा इसे बदनाम किया जा रहा है। बल्कि जो कहा जा रहा है वह यह है कि किसी रिश्ते में लंबे समय तक जो चीज वास्तव में मायने रखती है वह आंतरिक सुंदरता है। और बाहरी सुंदरता एक अतिरिक्त लाभ है, विकर्षण नहीं।

अब श्लोक 13 से आगे की ओर वापस आते हैं। 13 के बाद से हम देखते हैं कि महिला को एक उद्यमी और उसमें बहुत सफल महिला के रूप में वर्णित किया जा रहा है। मुख्य रूप से हाउते कॉउचर और कपड़ा निर्माण से संबंधित, लेकिन स्पष्ट रूप से औद्योगिक पैमाने पर।

क्योंकि यद्यपि वह स्वयं काम करती है, उसके पास ऐसे कर्मचारी हैं जो उसके लिए काम करते हैं। मैं तुम्हें इसका स्वाद देता हूँ। वह ऊन और सन खोजती है और स्वेच्छा से काम करती है।

वह व्यापारियों के जहाजों की तरह है। वह अपना खाना दूर से लाती है। तो यह यहाँ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के बारे में है।

वह अभी भी रात होने पर उठती है और अपने घर के लिए भोजन और अपनी नौकरानियों के लिए काम करती है। वह कर्मचारी हैं। वह खेत पर विचार करती है और उसे खरीद लेती है।

तो, वह संपत्ति प्रबंधन, रियल एस्टेट में है। वह सोचती है कि अपने हाथों के फल से वह अंगूर का बाग लगाती है। वह खुद को चिथड़ों से बांधती है।

इसलिए, वह कृषि और शराब उत्पादन में हैं। आकर्षक सामान. वह मानती है कि उसका माल लाभदायक है।

उसका मेमना बाहर नहीं जाता. रात में वह कर्मचारियों पर हाथ रखती है। तो वह स्पष्ट रूप से बहुत मेहनती और मेहनती है।

फिर पद 21 में वह गरीबों के लिए अपना हाथ खोलती है और जरूरतमंदों की ओर अपना हाथ बढ़ाती है। फिर, हमारे यहां एक आदर्श व्यक्ति को ऐसे व्यक्ति के रूप में चित्रित किया जा रहा है जो सामाजिक न्याय के संबंध में सक्रिय रूप से चिंतित है, उन लोगों की देखभाल के संबंध में है जो समाज के लिए कमजोर हैं, और जो खुद की देखभाल नहीं कर सकते हैं। मुझे शायद कहना चाहिए, जैसा कि मैंने अभी कहा है, सामाजिक न्याय, मुझे लगता है कि समाज में कमजोर लोगों की देखभाल और सामाजिक न्याय के लिए सक्रिय वकालत के बीच आधुनिक और प्राचीन दोनों तरह का अंतर है।

दोनों संबंधित हैं लेकिन जरूरी नहीं कि वे एक ही हों। इसलिए, राजा, किंग लेमुएल को सामाजिक न्याय की वकालत में शामिल होने के लिए कहा जाता है, जो सामाजिक अन्याय के अपराधियों का वास्तविक सक्रिय विरोध है। हमारे पास यहां महिला का उदाहरण है कि वह समाज में कमजोर लोगों के कल्याण के लिए चिंतित है।

हमें विशेष रूप से यह नहीं बताया गया है कि वह सामाजिक न्याय की वकालत में शामिल हैं। इसका मतलब ये नहीं कि वो ऐसा नहीं कर रही लेकिन इसे हाईलाइट नहीं किया गया. आगे बढ़ते हुए, श्लोक 22 और अनुसरण करते हुए, जब बर्फबारी होती है तो वह अपने परिवार के लिए डरती नहीं है, क्योंकि उसके सभी परिवार लाल रंग के कपड़े पहने होते हैं।

फिर, मुझे लगता है कि स्पष्ट रूप से, वह कपड़ा बनाने आदि से जुड़ी हुई है, इसका उपयोग न केवल उसके परिवार के लिए बल्कि व्यापक विस्तारित परिवार के लिए समग्र प्रावधान के रूपक के रूप में किया जाता है। वह ऐसी व्यक्ति है जो दूसरों को काम और व्यापक समुदाय और अपने परिवार को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करती है। श्लोक 23 के अनुसार, उसका पति नगर के फाटकों पर प्रसिद्ध है, वह देश के पुरनियों के बीच में अपना आसन ग्रहण करता है।

यह फिर से कविता के मध्य में आरंभ और अंत में उस लाभ पर प्रकाश डालता है जो वह अपने पति के लिए लाती है। और यहां प्रमुख लाभों में से एक यह है कि पति अपनी उपलब्धियों के माध्यम से सामाजिक प्रतिष्ठा में ऊपर उठता है। फिर से यह पुरुष प्रधान है, यह पितृसत्तात्मक है लेकिन फिर भी इस महिला की उपलब्धियों की व्यापकता और गहराई में उल्लेखनीय है।

इसके बाद पाठ कपड़ा बनाने आदि से संबंधित आगे की गतिविधियों का वर्णन करता है। श्लोक 25 कहता है कि ताकत और गरिमा उसके वस्त्र हैं और वह आने वाले समय पर हंसती है। मुझे लगता है कि यहां क्या हो रहा है, इसकी हमारी समझ के लिए यह एक महत्वपूर्ण वाक्यांश है क्योंकि आने वाले समय में हंसने वाला वाक्यांश स्पष्ट रूप से उसके आत्मविश्वास और स्वतंत्रता को दर्शाता है, बहुत महत्वपूर्ण है।

यह उसके पति और अन्य पितृसत्तात्मक संरचनाओं से स्वतंत्र उसकी आत्मनिर्भरता को भी दर्शाता है। और फिर कविता का पहला भाग, शक्ति और गरिमा उसके वस्त्र हैं। खैर, यह निःसंदेह रूपक है।

यह इस तथ्य पर प्रकाश डालता है कि जिस तरह से वह खुद को रखती है, जिस तरह से वह कपड़े पहनती है, जिस तरह से सशक्त ड्रेसिंग करती है, बल्कि जिस तरह से वह न केवल दूसरों के सामने आती है, बल्कि जिस तरह से वह अपने बारे में महसूस करती है, वह एक ऐसी महिला है जिसमें आंतरिक शक्ति और आत्मविश्वास है और वह एक सम्मानित महिला हैं। और मेरा मानना है कि गरिमा का दोहरा अर्थ है। इन दोनों का संबंध आत्म-मूल्य की आंतरिक भावना और एक प्रकार के आचरण, दृष्टिकोण और व्यवहार से है जो आश्वस्त करने वाला और आत्मविश्वासी होने के साथ-साथ सामाजिक परिप्रेक्ष्य के सर्वोत्तम अर्थों में उदार और महान भी होता है। शब्द।

लेकिन फिर गरिमा का संबंध इस बात से भी है कि दूसरे लोग उसके साथ कैसा व्यवहार करते हैं और व्यापक समुदाय में श्रेष्ठ और अच्छी तरह से स्थापित व्यक्ति के रूप में उसका सम्मान करते हैं। श्लोक 26 में हमें बताया गया है कि वह न केवल एक मेहनती कार्यकर्ता है बल्कि वह एक अच्छी शिक्षिका भी है। पद 26 वह बुद्धि से अपना मुंह खोलती है, और कृपा की शिक्षा उसकी जीभ पर रहती है।

तो, वह एक बुद्धिमान शिक्षिका है जो अब इस अंतिम अध्याय में एक बुद्धिमान महिला द्वारा अन्य लोगों को शिक्षा देने का दूसरा उदाहरण है। और मेरे पास इसका पक्ष रखने के लिए समय नहीं है, लेकिन जेनेट हार्टवेल ने अपने काम में स्पष्ट रूप से दिखाया है कि नीतिवचन की पुस्तक में महिलाओं की कई और आवाजें हैं और बहुत कुछ सिखाया गया है। उदाहरण के लिए, जब किताब के शुरुआती नौ अध्यायों में पिता अपने बेटे से उसकी शिक्षाओं को सुनने का आग्रह करता है, तो कभी-कभी एक समानता होती है, अपने पिता की शिक्षाओं को मत भूलो और न ही अपनी माँ की शिक्षाओं को भूलो।

और यहां तक कि जहां मां का स्पष्ट रूप से उल्लेख नहीं किया गया है, वह सभी व्याख्यानों में अंतर्निहित रूप से मौजूद हो सकती है। इसलिए, ज्ञान की नीतिवचन की पुस्तक में महिलाओं को नियमित शिक्षक माना जाता है। विशेष रूप से और विशेष रूप से घर में, लेकिन नीतिवचन 1-9 में पिता की शिक्षा के लिए भी यह काफी हद तक सच है।

हालाँकि, ऐसा लगता है कि यहाँ यही महिला है, जो सार्वजनिक रूप से बोलती है। और उसकी बुद्धिमत्ता का हिस्सा, वैसे यह भी महत्वपूर्ण है, दयालुता की शिक्षा उसकी जीभ पर है। यह सिर्फ एक प्रकार की सुखद टिप्पणी नहीं है बल्कि इस महिला की शृंगार का एक हिस्सा यह है कि वह जिस तरह की चीजें सिखाती है वह दयालुता है।

और यह अब संभावित रूप से हमें उस बिंदु पर लाता है जहां वह न केवल कमजोर लोगों की मदद करने में शामिल है बल्कि यह सामाजिक न्याय के लिए शिक्षण वकालत में शामिल होने का एक संक्षिप्त सारांश भी हो सकता है। श्लोक 20 में, उसके बच्चे उठते हैं और उसे खुश कहते हैं। उनके पति भी उनकी तारीफ करते हैं।

तो, यह एक तथ्य का विवरण है। यदि कोई इतना भाग्यशाली है कि उसे ऐसी महिला उसकी माँ या पत्नी के रूप में मिले, तो यह एक स्वाभाविक बात लगती है। लेकिन ऐसा कहने पर, निश्चित रूप से, सदियों से, इस कविता का उपयोग एक आदर्श पत्नी का वर्णन करने के लिए किया गया है, आमतौर पर एक पत्नी जो घर पर रसोई और सिलाई-बुनाई और इस तरह के सभी काम करती है।

यह देखना आसान है कि लोगों ने कविता को भोलेपन से इस तरह क्यों लिया क्योंकि इस अध्याय में कपड़े बनाने आदि के बारे में बहुत कुछ है। लेकिन जैसा कि मैंने इसे समझाने की कोशिश की है, यह औद्योगिक पैमाने पर है और मुझे लगता है कि यह सोचना एक अकल्पनीय, बहुत ही सरल पाठ था कि यह सिर्फ एक अच्छी गृहिणी के बारे में है। यहां जिस महिला का वर्णन किया जा रहा है वह एक राजसी पद वाली महिला है।

वह एक रानी है। और कोई भी पति जो उसके लायक बनना चाहेगा, और ईमानदारी से कहें तो कोई भी पति जिसे शायद उसके सामने बौना महसूस नहीं करना पड़ेगा, बेहतर होगा कि वह आकार ले ले। यह रानी अन्य बातों के अलावा अपने पति के लिए एक पुरुष के राजा की हकदार है।

इसलिए, कोई भी पुरुष जो उस जैसी महिला पाने की इच्छा रखता है, बेहतर होगा कि वह तैयार हो जाए। एक अंतिम टिप्पणी। तो, उसके पति और बच्चे उसकी प्रशंसा करते हैं और फिर हमारे पास श्लोक 29 में एक सीधा उद्धरण है कि कथित पति क्या कह रहा है।

और वह यह कहता है, कि बहुत सी स्त्रियों ने तो उत्तम काम किया है, परन्तु तू उन सब से आगे निकल गया है। यहां विभिन्न प्रकार की महिलाओं के बीच एक बहुत ही दिलचस्प तुलना है। और इसे पढ़ने के दो तरीके हैं।

इसे पढ़ने का एक तरीका यह है कि पति इस महिला को अन्य महिलाओं के विरुद्ध पेश कर रहा है और अंततः कविता में जो होता है वह यह है कि जो भी महिला इस तरह के मानकों पर खरी नहीं उतरती है उसे बुरा महसूस कराया जाता है। यह कविता पढ़ने का एक तरीका है और यह सदियों से बहुत बार किया जाता रहा है। मैंने अपने विद्यार्थियों, महिला विद्यार्थियों से बात की है, जिन्होंने मुझे बहुत कुछ बताया है।

मैंने मंडलियों में लोगों से बात की है, महिलाओं से जिन्होंने मुझे यह बताया है। ऐसा कहने के बाद, मुझे लगता है कि यह कहने लायक है कि यहां तक कि जिन महिलाओं ने इस जैसा अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है, पाठ वास्तव में कहता है, कई महिलाओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसलिए उसकी तुलना इन सभी विफलताओं से बेहतर होने के रूप में नहीं की जाती है।

उन्हें कई उत्कृष्ट महिलाओं से बेहतर बताया गया है। और हर कोई, हर महिला इस महिला की तरह नहीं हो सकती। सच कहूं तो हर पुरुष इस महिला जैसा नहीं हो सकता।

अधिकांश पुरुष और अधिकांश महिलाएं ऐसा नहीं कर सकते। शायद उसे आदर्शीकृत किया गया है, अतिरंजित किया गया है। लेकिन फिर भी, मुझे लगता है, और यह वास्तव में महत्वपूर्ण है,

मुझे लगता है, जैसे-जैसे हम इस सब के करीब आते हैं, उसे हमें, चाहे पुरुष हों या महिला, अपने बारे में बुरा महसूस कराने के लिए आदर्श नहीं बनाया गया है, बल्कि इसलिए कि वह आदर्श है हमें प्रेरित करने के लिए।

और मुझे लगता है कि यह एक ऐसी महिला का चित्रण है जो आदर्श होने के साथ-साथ कुछ हद तक यथार्थवादी भी है। इतिहास में, जीवन के हर क्षेत्र में, हर संस्कृति में ऐसी महिलाएं हैं, जो इस तरह से जी रही हैं। उनमें से कई पीढ़ियों तक जीवित रहने के बाद भी अपने समुदायों में नाम से जाने जाते हैं।

यह मुझे अंतिम व्याख्यात्मक विचार पर लाता है, अर्थात्, एक जीवंत चर्चा है जो संभवतः हमेशा के लिए चलेगी, कि यह पत्नी कितनी आदर्श है। क्या वह सचमुच एक असली महिला है? या क्या वह शायद स्वयं भी बुद्धि का प्रतीक है, जैसा कि नीतिवचन 9 और 8 में है? और इस पर तर्क आगे-पीछे होता रहता है, और फिर से मैं कहूंगा कि जब हमारे पास इस तरह का अत्यधिक विचारोत्तेजक, कल्पनाशील, काव्यात्मक पाठ होता है, और सदियों से लोग किसी भी तरह से तर्क देते रहे हैं, तो इसका मतलब शायद यह है कि यह एक या दोनों के बजाय दोनों है। अन्य। यह ज्ञान का चित्रण भी है और हमारे जीवनसाथी के रूप में ज्ञान को अपनाने की अंतिम अपील भी है, विशेष रूप से पुरुषों से बात करते हुए, अगर हम महिला पाठकों या श्रोताओं से बात करते हैं, तो मुझे लगता है कि यह उन्हें एक बड़ी बहन के रूप में, एक बड़ी बहन के रूप में गले लगाने के लिए होगा। माँ, एक सहकर्मी के रूप में, एक सहयोगी के रूप में।

या, यदि आप वहां जाना चाहते हैं, तो ज्ञान को एक मनुष्य के रूप में व्यक्त करने के लिए। वह एक और होगा। लेकिन अंततः, मुझे लगता है कि हम भी वास्तव में इस तथ्य के साथ रहना चाहते हैं कि हमारे यहां एक वास्तविक महिला का चित्रण भी है।

वास्तव में आज आधुनिक पुरुषों और आधुनिक महिलाओं को प्रेरित करने के लिए, चाहे आप किसी भी संस्कृति से हों, जैसा कि पाठ कहता है, श्लोक 30, भगवान के भय, सच्ची बुद्धि, कड़ी मेहनत और अन्य लोगों के लिए चिंता के साथ, आप कर सकते हैं जितना आपने कभी सोचा था उससे अधिक हासिल करें। आपके परिवार के सदस्य, आपका स्थानीय समुदाय और आपकी संस्कृति जो कुछ भी आप पर थोपना चाहते हैं, आप उससे कहीं अधिक हासिल कर सकते हैं। यह सच्ची प्रेरणा का एक अध्याय है, हमें दोषी महसूस कराने के लिए नहीं, बल्कि ईश्वर की कृपा और दया से, सच्चे ज्ञान की आकांक्षा करने में हमारी मदद करने के लिए, पुस्तक की शुरुआत में, ईश्वर से ज्ञान मांगना, ईश्वर का भय मानना ज्ञान की हमारी खोज की शुरुआत, साधन और परिणाम दोनों के रूप में।

और इसके साथ, हम नीतिवचन की बाइबिल पुस्तक पर व्याख्यान की इस श्रृंखला के करीब आ गए हैं। भगवान आपका भला करे।

यह नीतिवचन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. नट हेम हैं। यह सत्र संख्या 20 है, सक्षम स्लैश शक्तिशाली महिला। नीतिवचन अध्याय 31, श्लोक 10 से 31 तक।